an>

Title: Regarding sting operation on IAS officer of Uttrakhand.

**डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार):** सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक गंभीर प्रकरण की ओर आकृÂट करना चाहता हूं। उत्तराखंड जैसी देवभूमि में एक ऐसा स्टिंग आपरेशन सामने आया है, जिसने न केवल देवभूमि को शर्मसार किया है, बल्कि भारतीय प्रशासनिक सेवा की गरिमा को भी गिराया है। मुख्य मंत्री के सचिव उस स्टिंग आपरेशन में पकड़े गये हैं, जिसमें शराब के कारोबारियों के साथ बीस करोड़ रुपये के लेनदेन के दौरान कहा गया कि मुख्य मंत्री, जिनसे बात होने के बाद यह लेनदेन दिल्ली में होगा। मुझे आश्चर्य होता है कि आज तक उस सीडी के सामने आने के बाद भी न तो मुख्य मंत्री, उत्तराखंड, श्री हरीश रावत ने इस्तीफा दिया है और न ही वह सचिव, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी है, सीनियर आईएएस है, न उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है और न मुकदमा दर्ज हुआ है। यह बहुत गंभीर विÂाय है। जब वर्तमान सी.एम. यहां पर कैबिनेट मंत्री थे, गुजरात कैडर का वह अधिकारी दिल्ली में लाया जता है और उसके बाद उसको उत्तराखण्ड ले जाया जाता है और बजाय उसके खिलाफ कार्यवाही हो, सीबीआई की इंक्वॉयरी हो, वहां धमकी दी जाती है और धमकी यह दी जाती है कि उत्तराखण्ड का पानी नहीं पिया, यदि सीडी का बदला नहीं लिया और उसी प्रकरण पर आज एक पत्रकार के मकान को ढहाया गया। लोग सड़कों पर हैं और यही हाल आपदा में भी हुआ। देश के 24 राज्यों के हजारों लोग हताहत हुए थे, हजारों लोग आज भी लापता हैं।

श्रीमन, उसमें भी करोड़ों रूपये का घोटाला हुआ है। सूचना के अधिकार अधिनियम में बहुत स्पÂट आ गया है। सूचना आयुक्त ने स्पÂट किया है कि सीबीआई की इंक्वॉयरी होनी चाहिए। लेकिन आज तक नहीं हुई है, इसलिए वह सरकार बर्खास्त होनी चाहिए और सीबीआई इंक्वॉयरी होनी चाहिए।

HON. CHAIRPERSON : Shri Nishikant Dubey is permitted to associate with the issue raised by Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank.